Page Three Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

लॉकडाउन खुलने पर भीड़ को रोकने के लिए अधिकारी बनाएं प्लान

बैठक

मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने प्रदेश में कोरोना वायरस के संक्रमण की स्थिति के संबंध में शनिवार को अपने मुख्यमंत्री आवास पर वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की।
मुख्यमंत्री ने कहा कि लॉकडाउन खुलने की स्थिति में भीड़ को रोकने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन सुनिश्चित कराने के लिए कार्य योजना तैयार कर ली जाए। कोरोना वायरस से बचाव कार्यों में जो लोग सहयोग नहीं करते हैं उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। लोग सरकार का साथ दें, इसके लिए सभी धर्म गुरुओं और समाज के प्रबुद्धजनों का सहयोग लिया जाए। बैठक में मुख्य सचिव उत्पल कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव ओमप्रकाश, डीजीपी अनिल कुमार रतूड़ी, सचिव अमित नेगी, नितेश झा और एडीजी वी विनय कुमार उपस्थित थे।

हो सकता है लंबी लड़ाई लड़नी पडे

मुख्यमंत्री ने कहा कि हो सकता है कि कोरोना के खिलाफ हमको लंबी लड़ाई लड़नी पड़े। इसका स्वरूप कैसा हो, इसके लिए हमें पूर्व तैयारी करनी चाहिए। इस दृष्टि से एनसीसी, एनएसएस के साथ ही सामाजिक सरोकारों से ताल्लुक रखने वाले जितने भी एनजीओ और सामाजिक संगठन हैं, उनके सहयोग की कभी आवश्यकता पड़ सकती है। इसके साथ ही आर्थिक व सामाजिक चिंतकों से आग्रह किया कि जो आर्थिक नुकसान राज्य को हुआ है, उसे कैसे भर सकते हैं और इसके लिए क्या प्रयास करने हैं, इस बारे में सरकार को सुझाव दें।

e[;e=h ckyk] cukuh gksxh

'kkjhfjd njh% मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि कोरोना से पार पाने के लिए हर हाल में एक–दूसरे से शारीरिक दूरी बनाकर रखनी होगी, अन्यथा हमारी तपस्या बेकार हो जाएगी। प्रधानमंत्री भी बार–बार यह आग्रह कर रहे हैं। इसे ब्रह्म वाक्य समझकर सभी इसका पालन करेंगे तो हम न सिर्फ खुद बल्कि अपने पड़ोसी, अपने प्रदेश और देश को भी बचा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिये प्रदेशवासियों को संबोधित करते हुए यह बात कही।
मुख्यमंत्री ने सबसे स्वस्थ रहने की कामना की। कहा कि हमारे कोरोना से लड़ने में हमारे अनेक लोग बिल्कुल फ्रंटलाइन में लड़ रहे हैं। ऐसे में जो भी कोरोना वॉरियर्स हैं, सभी को उनका सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चिकित्सक 24–24 घंटे ड्यूटी कर रहे हैं। पुलिस के जवान और उनके तमाम सहयोग रात–दिन खड़े होकर अपनी सेवा दे रहे हैं। लिहाजा, उनकी भी चिंता करें, क्योंकि वे सारा जोखिम हम सबके लिए उठा रहे हैं। उन्होंने पीएम के पांच अप्रैल के आह्वान को सफल बनाने की अपील भी राज्यवासियों से की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कई वृद्धाश्रम व अनाथश्रम भी हैं, उनकी भी सभी लोग चिंता करें कि वहां कोई भूखा न सोए। उनका दायित्व भी हमारे ऊपर है।

न्यूज डायरी

मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए सीएम को सौंपे 15 लाख रु. के चैक

संवाददाता देहरादून। द हैरिटेज स्कूल के चेयरमैन चौधरी अवधेश कुमार ने मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 15 लाख के चैक मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत को सौंपे। इस सहयोग के लिए मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने चौधरी अवधेश कुमार का धन्यवाद किया। आज द हैरिटेज स्कूल के चेयरमैन, समाजसेवी, वालीबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष चौधरी अवधेश कुमार ने कोरोना वायरस कोविड–19 से ग्रसितों को सहयोग प्रदान हेतु मुख्यमंत्री राहत कोष में निजी खाते से 11 लाख एवं स्कूल अकाउंट से चार लाख के चैक प्रदान किए। इस अवसर पर द हैरिटेज स्कूल के बोर्ड सदस्य सेवा सिंह मठारु ने बताया कि चौधरी अवधेश कुमार मानवता के नाते जहां भी सहयोग की आवश्यकता होती है वहां तन मन धन से सहयोग करते हैं।

इमरजेंसी के लिए अब ऑफलाइन नहीं ऑनलाइन बनेंगे पास

संवाददाता देहरादून। प्रशासन की ओर से ऑफलाइन पास बनाने की व्यवस्था बंद किए जाने के बाद भी कलक्ट्रेट में भीड़ उमड़ रही है। शुक्रवार को भी तमाम लोग ऑफलाइन पास बनवाने के लिए कलक्ट्रेट पहुंचे। काफी देर इधर–उधर भटकने के बाद जब लोगों को पता चला कि अब सिर्फ ऑनलाइन आवेदन करने पर ही पास बन रहे हैं, तो वह मायूस होकर लौट गए। शुक्रवार को दोपहर करीब सवा 12 बजे जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर लोगों की भीड़ जमा थी। सभी देहरादून से बाहर जाने के लिए पास बनवाने पहुंचे थे। किसी को पीपलकोठी जाना था, तो किसी को उत्तरकाशी। कार्यालय में सिर्फ कुछ पुलिसकर्मी ही थे। हालांकि, कार्यालय में बाहर से ताला लगाहुआ था। दो पुलिसकर्मी बाहर खड़े थे। पास के संबंध में स्पष्ट जानकारी न मिलने के कारण लोग एक–दूसरे से पूछ रहे थे कि पास कैसे बनेगा।

अल्मोड़ा में चार संदिग्ध क्वारंटाइन में, सात लोगों को घर भेजा

संवाददाता अल्मोड़ा। यूपी के पीलीभीत से जमात में हिस्सा लेकर वापस रानीखेत लौटे सात लोगों को फिलहाल प्रशासन ने चिलियानौला स्थित क्वॅरेंटाइन सेंटर से घर भेज दिया है। सभी को दस दिन तक अपने घरों में होम क्वारंटाइन के निर्देश दिए गए हैं। यह सभी लोग दिल्ली के निमाजुद्दीन में शामिल होने के बाद 16 मार्च को वापस अल्मोड़ा लौटे थे। वहीं दिल्ली से लौटे चार लोगों के सैंपल जांच के लिए हल्द्वानी भेजे गए हैं। 16 मार्च को सभी वापस भी आ गए। हरकत में आई कोतवाली पुलिस ने चारों लोगों से पूछताछ कर डाटा जुटाया।

लॉकडाउन का पालन कराने के लिए गुर्जर बस्ती में पुलिस बल तैनात।

गुर्जर बस्ती से 103 जमाती कलियर में हुए कोरोंटाइन

संवाददाता हरिद्वार। श्यामपुर गैण्डीखाता स्थित गुर्जर बस्ती के एक सौ से अधिक जमातियों को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कलियर के कुछ गेस्ट हाउस में कोरोंटाइन किया गया है। बताया जा रहा है कि इन जमातियों ने दिल्ली निजामुद्दीन तबलीगी जमात मरकज में हिस्सा लेने की बात सामने आ रही है। जिसका खुलासा पुलिस व खुफिया विभाग द्वारा कुछ जमातियों के मोबाइल को ट्रेस करने के बाद हुआ है। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग टीम ने भारी पुलिस बल के साथ गुर्जर बस्ती पहुंचकर सभी जमातियों को कई एम्बुलेंस व दो बसों के द्वारा कलियर कोरोंटाइन किया गया है। जब सीएमओ से फोन पर सम्पर्क किया तो सम्पर्क नहीं हो सका। लॉकडाउन का पालन कराने के लिए गांव में पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। श्यामपुर एसओ दीपक कठैत के अनुसार पूर्व में करीब 78 जमातियों को गैण्डीखाता में ही कोरोंटाइन किया गया था। जब पुलिस और खुफिया विभाग टीम ने कुछ जमातियों के मोबाइल को ट्रेस किया, तो पता चला कि वह दिल्ली तबलीगी जमात मरकज में शमिल हुए थे।

नए वित्तीय वर्ष में उत्तराखंड सरकार एक हजार करोड़ का कर्ज लेने को मजबूर

संवादादाता

देहरादून। कोरोना की आपदा के साथ नए वित्तीय वर्ष 2020–2021 का आगाज राज्य की मुश्किलें बढ़ाए हुए है। कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए चिकित्सा और स्वास्थ्य के मोर्चे पर जूझने की चुनौती है ही, लॉकडाउन की वजह से गरीब व वंचित लोगों के साथ आम आदमी को राहत मुहैया कराने के लिए धन के बंदोबस्त को सरकार को एड़ी–चोटी का जोर लगाना पड़ रहा है। नतीजतन नए वित्तीय वर्ष के पहले ही हफ्ते में बाजार से 1000 करोड़ कर्ज लिया जा रहा है।
खर्च के बोझ से दबी राज्य सरकार के लिए राहत की बात ये है कि एसडीआरएफ फंड से 485 करोड़ राज्य को तुरंत देने को केंद्र सरकार ने पत्र भेज दिया है।

■राजस्व के लिहाज से बीता मार्च तकरीबन सूखा ही गुजरा

कोरोना की राष्ट्रीय आपदा ने सीमित वित्तीय संसाधन वाले उत्तराखंड राज्य को ज्यादा संघर्ष करने के लिए मजबूर कर दिया है। राजस्व के लिहाज से बीता महीना मार्च तकरीबन सूखा ही गुजरा है। वहीं चालू महीने अप्रैल में लॉकडाउन की वजह से हालात खराब होने तकरीबन तय हैं। अभी तक मार्च का अप्रैल में मिलने वाला वेतन राज्य के कर्मचारियों को नहीं मिला है। बजट के दिशा–निर्देश जारी होने और ग्लोबल बजटिंग के प्रविधान के चलते सरकार फूंक–फूंक कर कदम आगे बढ़ा रही है।
ऐसे में सरकार चालू माह अप्रैल के पहले हफ्ते में 1000 करोड़ कर्ज ले रही है। इसके लिए रिजर्व बैंक से राज्य को हरी झंडी मिल चुकी है। रिजर्व बैंक ने राज्य के लिए नए वित्तीय वर्ष के नौ महीनों के लिए कर्ज की सीमा भी तय कर दी है। यह सीमा 4124 करोड़ तय की गई है। दिसंबर तक राज्य सरकार तय सीमा तक कर्ज बाजार से ले सकेगी।
सरकार को रिजर्व बैंक का पत्र प्राप्त हो चुका है। वहीं नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत में ही राज्य को कुछ राहत बंधाने वाली खबर केंद्र से मिली है। 15वें वित्त आयोग की ओर से आपदा मद में स्वीकृत धनराशि की पहली किस्त के रूप में राज्य को 485 करोड़ जल्द मिलेंगे।

जरूरतमंदों के लिए खाने के पैकेट पुलिस कर्मियों को सौंपे

संवाददाता देहरादून। महंत श्री श्री 108 रविंद्र पुरी महाराज के पावन सानिध्य में आज भी जरूरतमंदों के लिए खाने के पैकेट पुलिस कर्मियों को सुपुर्द किए गए जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में जाकर वह खाने के पैकेट जरूरतमंदों में वितरित किए गये। सेवा दल के संजय कुमार गर्ग व नवीन गुप्ता ने अवगत करवाया गया कि आज प्रातः में खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण की टीम ने मंदिर में जरूरतमंदों के लिए बनाए जा रहे खाने की किचन का आकस्मिक निरीक्षण किया और सेवा दल द्वारा सरकारी दिशा निर्देशों के पालन में सभी व्यवस्था पर अपना संतोष व्यक्त किया। साथ ही अपनी रिपोर्ट में आवश्यक दिशा निर्देश भी जारी किए। दिगंबर दिनेश पुरी ने सभी से रविवार 5 अप्रैल (रविवार) की रात्रि में अपने घरों की बालकोनी व छतों पर दीप जलाने का आग्रह किया। विशेष रूप से उन्होंने कहा कि इस समय इस महामारी से लड़ने के लिए हमें धर्म का चश्मा उतार कर सरकारी दिशा निर्देशों का पालन करना ही होगा तभी इतनी बड़ी लड़ाई को हम एक साथ जीत सकते हैं।